>

Title: Need to stock adequate quantity of DAP fertilizer in advance to address the problems being faced by farmers in Rajasthan.

MR. CHAIRMAN : Now we take up 'Zero Hour' submissions. Dr. Jyoti Mirdha.

डॉ. ज्योति मिर्धा (नागौर): महोदय, राजस्थान में आने वाले निकट भविष्य में डीएपी खाद की जो कमी एक्सपैक्ट की जा रही है, मैं उसके बारे में सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। डिपार्टमेंट को चिट्ठी लिखकर अवगत कराया गया है कि ढ़ाई लाख मीट्रिक टन डीएपी खाद की जरूरत आने वाले समय में राजस्थान में पड़ेगी, लेकिन डिपार्टमेंट उस पर शांत है। मैं बताना चाहती हूं कि वर्ष 2009-10 में 2.6 लाख मीट्रिक टन डीएपी स्टॉक में रखा गया था, वर्ष 2010-11 में 3.19 मीट्रिक टन डीएपी खाद था, वर्ष 2011-12 में लगभग ढ़ाई लाख मीट्रिक टन की जरूरत एक्सपैक्ट की जा रही है, in addition to the supply plan.

18.24 hrs.

(Dr. M. Thambidurai *in the Chair)*

महोदय, मेरा सदन से और माननीय मंत्री जी ये यह निवेदन है कि रबी की फसल राजस्थान में जल्दी आती है क्योंकि बरसात अगर लेट तक चलती है तो पहले सरसों और उसके बाद चने की खेती की जाती है। इसे मद्देनजर रखते हुए सरकार ने यह तक वादा कर दिया कि वह एडवांस पैसा देने को तैयार है, लेकिन जो मैन्युफैक्चरर्स हैं या सप्लायर्स हैं, वे डीएपी की सप्लाई को कमिट नहीं कर रहे हैं। मेरा निवेदन है कि सदन में मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाए कि डीएपी की जो समस्या आगे आ सकती है उससे लॉ एंड ऑर्डर सिचुएशन भी खराब हो सकती है। इस पर ध्यान देते हुए राजस्थान राज्य के लिए शीघ्र अतिरिक्त खाद की व्यवस्था की जाए।